

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				<b>'खंड क'</b>	
1	1	2	1		
	(क)	(क)	(क)	मनुष्य जीवन की महानता 'अहं' के संपूर्ण त्याग में है। 'स्व' का त्याग करके ही मनुष्य के व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	साहित्य के लिए अनुराग / प्रेम रखने वाला। जब साहित्यानुरागी उच्च साहित्य को पढ़कर स्वयं को भूलकर रचना के पात्रों से तादात्म्य स्थापित कर लेता है तब उसे आनंद की प्राप्ति होती है।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	प्रभु भक्ति की पूँजी 'अलभ्य' बताई गई है। जब भक्त अपने आराध्य देव के चरणों में स्वयं को अर्पित कर प्रभु इच्छा में ही अपनी इच्छा को विलीन कर लेता है।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार का त्याग करना मनुष्य के जीवन की चरम उपलब्धि है।</li> <li>• इससे हम दूसरे से निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त कर सकते हैं।</li> </ul>	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना विचित्र विरोधाभास है।</li> <li>• क्योंकि यह उपलब्धि के स्तर पर अनिवार्य है।</li> </ul>	1+1=2
	(च)	(च)	(च)	अपनी इच्छा, आकांक्षाओं और लाभ-हानि को भूलना ही सर्वस्व समर्पण है। क्योंकि इससे मनुष्य को चारित्रिक दृढ़ता, अपूर्व समृद्धि एवम् परमानंद का सुख प्राप्त होता है। इससे दूसरों का निस्वार्थ प्रेम प्राप्त होता है।	1+1=2
					<u>12</u>

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
2	2	1	2	(क) (क) (क) जीवन में किस भाँति जीना है और किस भाँति मरना है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों के लोगों का परस्पर मिलकर रहना।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	प्राचीन व नवीन रूढ़ियों में से हंस के 'क्षीर-नीर-विवेकी' गुण (दूध और पानी को अलग करने की क्षमता) द्वारा अच्छे का चुनाव करना।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	सिर्फ मुँह से ही देशभक्ति की बात न करें, बल्कि चित्त में भी देश के प्रति प्रेम भरा हो।	2
				<b>खंड 'ख'</b>	<u>2</u>
3	3	3	3	ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है और जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त किया जाता है तब वह पद बन जाता है। जैसे - स्वतंत्रता - शब्द हमें <u>स्वतंत्रता</u> का मान रखना चाहिए। - पद	1+1=2
4	4	4	6	(क) (क) (क) मिश्र वाक्य	1
	(ख)	(ख)	(ख)	वह लोकप्रिय है / था इसलिए उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ।	1

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
5	(ग)	(ग)	(ग)	वे बाज़ार जाकर सब्ज़ी ले आए।	<u>1</u> <u>3</u>
	(क)	-	-	हाथी और घोड़े / हाथी या घोड़े - द्वंद्व समास पीला है अंबर जिसका अर्थात श्री कृष्ण - बहुव्रीहि / पीला है अंबर जो - कर्मधारय	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>
	(ख)	-	-	घनश्याम - कर्मधारय देशवासी - तत्पुरुष	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>
	-	(क)	-	कन्या का दान - तत्पुरुष / कन्या के लिए दान - तत्पुरुष दाल और भात - द्वंद्व	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>
	-	(ख)	-	कालीमिर्च - कर्मधारय चंद्रकला - तत्पुरुष	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>
	-	-	(क)	मत का दान - तत्पुरुष सचिव के लिए आलय - तत्पुरुष	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>
	-	-	(ख)	लालदेह - कर्मधारय किताबीकीड़ा - तत्पुरुष	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <u>2</u>

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
6	6	6	4		
	(क)	-	-	सोने का एक हार ले आओ।	1
	(ख)	-	-	आज का अवकाश देने की कृपा करें। / कृपया आज का अवकाश दें।	1
	(ग)	-	-	मुझे हज़ार रुपए चाहिए।	1
	(घ)	-	-	क्या उसने देख लिया है? / क्या उसे देख लिया है?	<u>1</u>
					<u>4</u>
	-	(क)	-	हमने तो पहले ही कहा था / हम तो पहले ही कह रहे थे।	1
	-	(ख)	-	मुझे कौन जानता है?	1
	-	(ग)	-	मुझे वहाँ नहीं जाना।	1
	-	(घ)	-	कल रात उनके प्राण निकल गए।	<u>1</u>
					<u>4</u>
	-	-	(क)	क्या उसे बात समझ में नहीं आती? / क्या उसकी बात समझ में नहीं आती?	1
	-	-	(ख)	कृपया आप यहाँ रोज़ आएँ। / आप यहाँ रोज़ आने की कृपा करें।	1
	-	-	(ग)	मैं पहुँचा तो किसी ने कुछ भी नहीं कहा। / मैं पहुँचा तो कोई कुछ भी नहीं बोला।	1
	-	-	(घ)	दिल्ली में पूरे भारत के लोग रहते हैं।	<u>1</u>
					<u>4</u>
7	7	7	7	अर्थपूर्ण एवं उचित वाक्यों पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
8	8	12	11	<b>खंड 'ग'</b>	
	(क)	(ख)	(क)	वह शरारती है, कोई न कोई शरारत करता रहता है। उसने जलती हुई सिगरेट से कुत्ते की नाक जला दी होगी।	2
	(ख)	(ग)	(ग)	अपने बाजू पर रेंगते हुए काले-च्योंटे को वापस उसके घर (कुएँ पर) छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए। इस घटना से उनके जीवों के प्रति प्रेम व दया के भाव की विशेषता पता चलती है।	ख-1+1=2 ग-½ +½=1 ग-½ +½=1
	(ग)	(क)	(ख)	शुद्ध सोना बिना मिलावट वाला लचीला एवं कीमती होता है। गिन्नी के सोने में ताँबा मिला होता है साथ ही वह मजबूत, चमकीला व सस्ता होता है।	ग- 1 क- 2 ख- 2 <u>5</u>
9	9	11	8	इस कहानी का पात्र 'ओचुमेलॉव' अक्वल दर्जे का चापलूस है। वह गिरगिट के समान अपना रंग बदलता है। उसके जीवन का एक मात्र लक्ष्य है बड़े अधिकारियों को चापलूसी से खुश करना तथा पदोन्नति पाना। जैसे ही उसे पता चलता है कि यह कुत्ता जनरल झिगालॉव या उनके भाई का है, वह खुशी और हैरानी से उछल पड़ता है और उसे सुंदर डॉगी कहने लगता है। जिस कुत्ते को वह भद्दा, मरियल और मार डालने योग्य समझता था, उसी को अति सुंदर डॉगी कहना चापलूसी की हद है।	5

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
11	10	8	10	(क) प्राकृतिक संसाधनों (धरती, समुद्र, वृक्ष व आकाश) की हिस्सेदारी में दीवारें खड़ी कर दी हैं। अपनी बुद्धि से।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	पूरे परिवार के समान रहने वाला संसार आज टुकड़ों में बँट गया है क्योंकि मनुष्य स्वार्थी हो गया है, केवल अपनी ज़रूरतों / इच्छाओं को पूरा करने में लगा रहता है।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	एकल परिवार की वजह से घर छोटे-छोटे हो गए, उनका आकार व स्थान बहुत कम हो गया और वे डिब्बे जैसे लगने लगे हैं।	$\frac{1}{5}$
11	11	10	12	(क) प्रियतम का पथ आलोकित करना चाहती है। वह प्रियतम को पाना चाहती है और उस तक जाने के लिए पथ को प्रकाशित रखना चाहती है ताकि वह स्वयं विचलित / पथभ्रष्ट न हो जाए।	2
	(ख)	(क)	(ग)	देशवासियों के लिए किया है। देश की रक्षा के लिए सैनिकों का कारवाँ सदा आगे बढ़ाने की प्रेरणा देने के लिए।	ख,क-1+1=2 ग- $\frac{1}{2}$ + $\frac{1}{2}$ =1
	(ग)	(ग)	(ख)	भीषण गर्मी ने हिंसक पशुओं की हिंसा, वैर, विरोध और शत्रुता समाप्त कर दी है। अब शेर, हिरण, मोर व साँप एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं।	ग,ग-1 ख- $\frac{2}{5}$

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
12	12	9	9	<p>गुण - परोपकार, वसुधैव कुटुंबकम, सहयोग व भाईचारा, दानशीलता, उदारता, अहंकार का त्याग करना, धन पर गर्व न करना, भेदभाव न रखना, सहानुभूति की भावना आदि। (कोई पाँच गुण स्वीकार्य हैं।) तर्क सहित उत्तर -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• यह मनुष्य की पहचान है, माँ सरस्वती भी परोपकारी की प्रशंसा करती हैं।</li> <li>• हम सब एक ही परमपिता की संतान हैं, इसलिए हम सब आपस में भाई-भाई हैं।</li> <li>• हम सबका लक्ष्य एक है (मोक्ष) इसलिए एक-दूसरे की उन्नति में सहयोग देना चाहिए।</li> <li>• रंतिदेव, दधीचि, उशीनर, कर्ण जैसे उदार व दानशील बनना चाहिए आदि।</li> </ul>	5
13	13	13	13	छात्रों द्वारा दिए गए उपयुक्त उत्तर पर अंक दिए जाएँ।	5
<b>खंड 'घ'</b>					
14	14	14	15	<p>अनुच्छेद लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विचारों की मौलिकता</li> <li>• प्रस्तुति</li> <li>• विषयानुकूल भाषा</li> </ul>	<p>2</p> <p>2</p> <p><u>1</u></p> <p><u>5</u></p>

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
15	15	15	14	पत्र लेखन • प्रारूप • विषयवस्तु • विषयानुकूल भाषा	1 3 <u>1</u> <u>5</u>
16	16	16	16	सूचना लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 <u>1</u> <u>5</u>
17	17	17	17	संवाद लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 <u>1</u> <u>5</u>
18	18	18	18	विज्ञापन लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 <u>1</u> <u>5</u>